भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-2089
उत्तर देने की तारीख-05/08/2024

वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रौद्योगिकी प्रगति के लिए एक सुदृढ़ पारिस्थितिकी तंत्र

†2089. श्री एस.जगतरक्षकन:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार देश में वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रौद्योगिकीय प्रगति के लिए एक सुदृढ़ पारिस्थितिकी तंत्र का पोषण करने के लिए प्रतिबद्ध है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (ग): विज्ञान, प्रौद्योगिकी और एकीकृत अनुसंधान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पारिस्थितिकी का मूल आधार हैं जो वैश्विक रूप से सक्षम और स्थानीय रूप से प्रासंगिक स्नातक तैयार करते हैं। एनईपी 2020 में इनक्यूबेशन सेंटर, प्रौद्योगिकी विकास केंद्र, अनुसंधान के अग्रणी क्षेत्रों में केंद्र, उद्योग-अकादमिक में व्यापक संबंध और मानविकी और सामाजिक विज्ञान अनुसंधान सहित अंतर विषयक अनुसंधान स्थापित करके अनुसंधान और नवोन्मेष पर ध्यान केंद्रित करते हुए खोज-आधारित अधिगम शैली की परिकल्पना की गई है।

प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में आईआईटी, आईआईएसईआर, आईआईआईटी, आईआईएम, उत्कृष्टता केंद्र और अनुसंधान पार्कों की स्थापना से देश में वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीय उन्नति को बढ़ावा देने में बहुत मदद मिल रही है, जिमसें नवोन्मेष, अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने पर बल दिया जाता है। शिक्षा मंत्रालय ने देश के उच्चतर शिक्षा संस्थानों में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए योजनाएं शुरू की हैं, जिनमें प्राइमिनिस्टर रिसर्च फेलौशिप स्कीम (पीएमआरएफएस), उच्चतर आविष्कार योजना (यूएवाई), इम्पेक्टिंग रिसर्च इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी (इम्प्रिंट), स्कीम फॉर प्रमोशन ऑफ रिसर्च एंड एकेडेमिक कोलेबोरेशन (स्पार्क), स्कीम फॉर ट्रांसफोरमेशनल एंड एडवांस रिसर्च इन साइनसेज (स्टार्स) आदि शामिल हैं।
इसके अलावा, अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना के लिए "अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन अधिनियम, 2023" को अधिसूचित किया गया। अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन, एक शीर्ष निकाय है, जिसकी परिकल्पना गणितीय विज्ञान, इंजीनियरिंग और

प्रौद्योगिकी, पर्यावरण और पृथ्वी विज्ञान, स्वास्थ्य और कृषि सहित प्राकृतिक विज्ञानों के क्षेत्रों में अनुसंधान, नवोन्मेष और उद्यमिता के लिए उच्च-स्तरीय रणनीतिक दिशा प्रदान करने के लिए की गई है। यह मानविकी और सामाजिक विज्ञान के वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीय इंटरफेस को बढ़ावा देने का भी प्रयास करता है। अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन की पांच साल की कुल अनुमानित लागत 50,000 करोड़ रुपये है।

पिछले दशक के दौरान भारत की प्रौद्योगिकीय प्रगति को विश्व स्तर पर मान्यता मिली है, जो विभिन्न वैज्ञानिक मापदंडों में इसकी वैश्विक स्थिति के माध्यम से स्पष्ट है। भारत ने अपनी वैश्विक नवोन्मेष सूचकांक (जीआईआई) रैंकिंग में वर्ष 2013 में 66वें स्थान से उन्नत होकर वर्ष 2023 में दुनिया की 132 अर्थव्यवस्थाओं में 40वें स्थान पर पहुंच गया है। डब्ल्यूआईपीओ के विश्व बौद्धिक संपदा संकेतकों के अनुसार, पेटेंट आवेदनों की संख्या के मामले में भारत छठे स्थान पर (वर्ष 2022 में) है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रकाशित 'अनुसंधान और विकास संबंधी आंकड़ें 2022-23 पर एक नज़र' के अनुसार विज्ञान और इंजीनियरिंग (एसएंडई) में प्रदान की गई पीएचडी की संख्या के मामले में भी भारत तीसरे स्थान पर है। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रीय विज्ञान फाउंडेशन (एनएसएफ़) डेटाबेस के अनुसार विज्ञान और इंजीनियरिंग प्रकाशनों की कुल संख्या के मामले में वर्ष 2022 में भारत तीसरे स्थान पर है।

*****